MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN PHILOSOPHY INDIAN CULLTUE HERITAGE (SESSION 2023-24)

SUBJECT: भारतीय दर्शन का परिचय

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक के प्रश्न लघुउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्र.1 भारतीय दर्शन के अनुसार 'दर्शन' शब्द का अर्थ एवं स्वरूप लिखिये।

प्र.2 वेदों की संख्या बताते हुए ऋग्वेद संहिता का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

प्र.3 श्रति और स्मृति का अर्थ एवं स्वरूप संक्षेप में लिखिये।

प्र.4 'उपनिषद' का अर्थ स्पष्ट कीजिये।

प्र.5 रामायण का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

नोटः प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्र.6 सामवेद और अथर्ववेद संहिता का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

प्र.7 उपनिषद के अनुसार 'आत्मतत्व' पर प्रकाश डालिये।

प्र.8 पुराण का स्वरूप स्पष्ट करते हुए विष्णु पुराण का महत्व लिखिये।

प्र.9 षड्दर्शनों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

प्र.10 जैन चार्वाक बौद्ध दर्शन पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN PHILOSOPHY INDIAN CULLTUE HERITAGE (SESSION 2023-24)

SUBJECT: भारतीय दर्शन का परिचय

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक के प्रश्न लघुउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्र.1 आस्तिक और नास्तिक दर्शनों के नाम लिखिये।

प्र.2 अथर्ववेद संहिता के स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

प्र.3 महाभारत का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

प्र.4 सांख्य, और योग दर्शन का परिचय लिखिए।

प्र.5 भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताएँ लिखिए।

नोटः प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्र.6 सामवेद संहिता का परिचय देते हुए इसका महत्व लिखिए।

प्र.7 अष्टादश पुराणों के नाम लिखिते हुए अग्निपुराण का महत्व बताइये।

प्र.8 मीमांसा और वेदांत दर्शन का परिचय एवं विशेषताएँ लिखिये।

प्र.9 श्रुति और स्मृति का अंतर स्पष्ट कीजिये।

प्र.10 न्याय और वैशेषिक दर्शन की तात्विक समीक्षा कीजिये।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN PHILOSOPHY INDIAN CULLTUE HERITAGE (SESSION 2023-24)

SUBJECT: मनुस्मृति में धर्म

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः प्रश्न कमांक 01 से 05 तक के प्रश्न लघुउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्र.1 मनुस्मृति का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

प्र.2 मनुस्मृति के अनुसार धर्म की उत्पत्ति और अर्थ स्पष्ट कीजिये।

प्र.3 मनु द्वारा प्रदत्त धर्म की परिभाषा व स्वरूप लिखिए।

प्र.4 मनु के अनुसारदशकं धर्मलक्ष्णम की विवेचना कीजिये।

प्र.5 मनु, वर्णित साधारण धर्म को समझाइये।

नोटः प्रश्न कमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्र.6 मनु के अनुसार वर्ण धर्म पर प्रकाश डालिये।

प्र.7 मनुस्मृति में प्रतिपादित आश्रम धर्म को स्पष्ट कीजिये।

प्र.8 मनुस्मृति के आधार पर गृहस्थाश्रम का वर्णन कीजिये।

प्र.9 मनुस्मृति में कथित वानप्रस्थ आश्रम पर प्रकाश डालिये।

प्र.10 मनुस्मृति में वर्णित ब्राहम्ण धर्म की विवेचना कीजिये।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN PHILOSOPHY INDIAN CULLTUE HERITAGE (SESSION 2023-24)

SUBJECT: मनुस्मृति में धर्म

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः प्रश्न कमांक 01 से 05 तक के प्रश्न लघुउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्र.1 मनुस्मृति के आाधार पर धर्म की अवधारणा पर प्रकाश डालिये।

प्र.2 धर्म शब्द की व्युत्पत्ति और अर्थ लिखिये।

प्र.3 मनु के अनुसार धर्म का स्वरूप और विशेषताएँ लिखिए।

प्र.4 साधारण धर्म किसे कहते मनु के अनुसार इसका महत्व लिखिये।

प्र.5 मनुस्मृति के अनुसार क्षत्रिय धर्म पर प्रकाश डालिये।

नोटः प्रश्न कमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्र.6 मनुस्मृति के आधार पर ब्रहमचर्य आश्रम का स्वरूप और महत्व लिखिए।

प्र.7 मनुस्मृति में वर्णित शूदों के धर्म का वर्णन कीजिये।

प्र.8 मनुस्मृति के आधार पर संन्यास आश्रम पर प्रकाश डालिये।

प्र.9 मनु ने वैश्य वर्ण के लिये जो कर्तव्य निर्धारित किये है, उनकी विवेचना कीजिये।

प्र.10 मनुस्मृति के अनुसार क्षत्रिय के धर्म का वर्णन कीजिये।

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः प्रश्न कमांक 01 से 05 तक के प्रश्न लघुउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्र.1 ऋग्वेद संहिता के अनुसार 'ऋत' एवं 'सत्य' के स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

प्र.2 उपनिषद में वर्णित 'श्रेयस्' एवं 'प्रेयस्' को समझाइये।

प्र.3 योग का अर्थ स्पष्ट करते हुए योग अष्टांगों के नाम लिखिये।

प्र.4 'प्राणायाम', एवं 'धारणा' पर टिप्पणी लिखिये।

प्र.5 योग दर्शन के अनुसार 'आसन' की विवेचना कीजिये।

नोटः प्रश्न कमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्र.6 योगदर्शन के आधार पर 'समाधि' एवं 'यम' को स्पष्ट कीजिये।

प्र.7 बौद्ध दर्शन के अनुसार अष्टांग मार्ग की विवेचना कीजिये।

प्र.8 जैन दर्शन में प्रतिपादित 'त्रिरत्न' का स्वरूप एवं महत्व लिखिए।

प्र.9 वेदांत एवं योग में निहित 'मोक्ष' की अवधारणा पर प्रकाश डालिये।

प्र.10 सांख्य और न्याय दर्शन की 'मोक्ष' संबंन्धी अवधारणा स्पष्ट कीजिये।

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक के प्रश्न लघुउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्र.1 ऋग्वेद में धर्म की अवधारणा पर प्रकाश डालिये।

प्र.2 उपनिषद अर्थ स्पष्ट करते हुए 'श्रेयस' को समझाइये।

प्र.3 योगदर्शन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए 'प्रत्याहार' को स्पष्ट कीजिये।

प्र.4 उपनिष्द में 'प्रेयस', को समझाइये।।

प्र.5 योगदर्शन के अनुसार 'नियम' की व्याख्या कीजिये।

नोटः प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्र.6 अष्टांग योग किसे कहते है स्पष्ट कीजिये तथा 'प्राधायाम' और 'धारणा' की विवेचना कीजिये।

प्र.7 बौद्ध दर्शन के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए बुद्ध 'अष्टांग मार्ग' को समझाइये।

प्र.8 जैन दर्शन का परिचय दीजिए एवं 'त्रिरत्न' की व्याख्या कीजिए।

प्र.9 भारतीय दर्शन की आस्तिक और नास्तिक शाखाओं का परिचय दीजिये।

प्र.10 सांख्य, योग और वेदान्त दर्शन में 'मोक्ष' की धारणा' की विवेचना कीजिए।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN PHILOSOPHY INDIAN CULLTUE HERITAGE (SESSION 2023-24)

SUBJECT: भारतीय राजदर्शन

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- FIRST **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक के प्रश्न लघुउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्र.1 भारतीय राजदर्शन का परिचय दीजिये।

प्र.2 भारतीय राजदर्शन की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिये।

प्र.3 राज्य के संबंध में कौटिल्य के मत की समीक्षा कीजिये।

प्र.4 कौटिल्य के अनुसार राजा के गुणों और कर्तव्यों का वर्णन कीजिये।

प्र.5 कौटिल्य के अनुसार मंत्री के गुणों और योग्यता पर प्रकाश डालिये।

नोटः प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्र.6 राजकोष के संबंध में कौटिल्य के अभिमत की विवेचना कीजिये।

प्र.7 कौटिल्य के अनुसार राष्ट्र की सुरक्षा के लिये किस प्रकार की सैन्य व्यवस्था आवश्यक है। प्रकाश डालिये।

प्र.8 कौटिल्य के मतानुसार राज्य के कार्यों की चर्चा कीजिये।

प्र.9 राज्य की रक्षा के लिये राजा को किन—किन नीतियों का आश्रम लेना चाहिये। स्पष्ट कीजिये।

प्र.10 कौटिल्य के अनुसार 'अर्थ' नाम पुरूषार्थ की विवेचना कीजिये।

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

Accredited with "A" Grade by NAAC

CERTIFICATE IN INDIAN PHILOSOPHY INDIAN CULLTUE HERITAGE (SESSION 2023-24)

SUBJECT: भारतीय राजदर्शन

ASSIGNMENT QUESTION PAPER- SECOND **MAXIMUM MARKS: 30**

निर्देशः—

01. सभी प्रश्न स्वयं की हस्तलिपि में हल करना अनिवार्य है।
02. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदाय सत्रीय उत्तरपुस्तिकाओं में ही सत्रीय प्रश्नपत्र हल करना अनिवार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ को सावधानीपूर्वक पूरा भरें और उसमें उसी विषय का प्रश्नपत्र हल करें जो उत्तरपुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अंकित किया है।
04. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका अपने अध्ययन केन्द्र पर जमा कर उसकी पावती अवश्य प्राप्त करें।

नोटः प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक के प्रश्न लघुउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का है।

प्र.1 भारतीय राजदर्शन के इतिहास पर प्रकाश डालिये।

प्र.2 राज्य के विषय में कौटिल्य के विचार लिखिये।

प्र.3 आदर्श राजा की विशेषताएँ लिखिये।

प्र.4 'मंत्री' के गुणों की विवेचना कीजिए।

प्र.5 'राजकोष' के संबंध में अपने विचार व्यक्त कीजिये।

नोटः प्रश्न क्रमांक 06 से 10 तक के प्रश्न दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का है।

प्र.6 सेना आदि सप्तमण्डल पर निबंध लिखिये।

प्र.7 राज्य के कार्यों की विस्तृत चर्चा कीजिये।

प्र.8 राज्य की रक्षा के निमित्त अपनाई जाने वाली साम, दान एवं दण्ड नीति पर प्रकाश डालिये।

प्र.9 भेद एवं संधि नामक नीतियों की समीक्षा कीजिये।

प्र.10 राष्ट्र की समृद्धि के लिये 'अर्थ' नाम पुरूषार्थ क्यों आवश्यक है—स्पष्ट कीजिये।